भावना – बुजुर्गों का परिवार

# भारतीय वरिष्ठ नागरिक समिति

वरिष्ठ नागरिकों तथा निर्बल एवं असहाय जनों के हितों को समर्पित अखिल भारतीय समाजसेवी महासमिति।
सोसायटीज़ रजिस्ट्रेशन ऐक्ट, 1860 के अन्तर्गत लखनऊ में पंजीकृत। पंजीयन संख्या : 662/2000–01

507, कलम्भा अपार्टमेन्ट्स, 2, पार्क रोड, हजरतगंज, लखनऊ – 226001, भारत
फोन: +91-522-4016046 वेबसाइट: www.bhavanaindia.org ई.मेल: bhavanasindia@gmail.com

## समिति का बीसवाँ वार्षिक महाधिवेशन - 23 फरवरी, 2020
## प्रमुख महासचिव का प्रतिवेदन (समिति की वार्षिक रिपोर्ट)

दो दिवस पूर्व महाशिवरात्रि पर्व के अवसर पर अधिकांश लोगों द्वारा महाकाल से स्वस्थ जीवन जीते हुए मोक्ष की कामना हेतु व्रत एवं आराधना के पश्चात ऋतुराज वसंत के सानिध्य में उमंग से पूर्ण **भावना** के **बीसवें महाधिवेशन** की अध्यक्षता कर रहे संस्थापक विशिष्ट सदस्य व राष्ट्रीय अध्यक्ष माननीय श्री विनोद कुमार शुक्ल जी, मुख्य अतिथि सेवा निवृत्त आई.ए.एस. माननीय कैप्टेन एस.के. द्विवेदी जी, मंचासीन सम्मानित विशिष्ट अतिथिगण, सभागार में उपस्थित अन्य अतिथिगण, **भावना** की सदस्य संस्थाओं से उपस्थित सम्मानित प्रतिनिधिगण, विभिन्न मीडिया से उपस्थित पत्रकार बंधुओ, समिति के पदाधिकारीगण एवं सदस्यगण तथा सभा में उपस्थित देवियो एवं सज्जनो। मैं **भावना** की तरफ से एवं स्वयं भी व्यक्तिगत रूप से इस महाधिवेशन के उद्घाटन सत्र में आप सभी का हार्दिक स्वागत एवं अभिनन्दन करता हूँ।

मान्यवर, आप भली भाँति भिज्ञ हैं कि वर्ष 2001 की जनगणना के अनुसार भारत में वरिष्ठ नागरिकों की जनसंख्या कुल जनसंख्या की 7.5 प्रतिशत थी जो बढ़कर आज अनुमानतः लगभग 11 प्रतिशत हो चुकी है। चिकित्सा क्षेत्र में हुए नये–नये आविष्कारों के चलते एवं निजी स्वास्थ्य के प्रति अधिक जागरूकता एवं सतर्कता के कारण भारत के नागरिकों की औसत उम्र में निरन्तर वृद्धि हो रही है। राष्ट्रीय जनसंख्या आयोग के अनुसार अनुमान है कि वर्ष 2050 तक देश में वरिष्ठ नागरिकों की संख्या कुल जनसंख्या की लगभग 20 प्रतिशत हो जायेगी। ऐसी परिस्थिति में शासन की जिम्मेदारी है कि वह वरिष्ठ नागरिकों के स्वास्थ्य, सुरक्षा एवं उनके सुचारू और सुरक्षित तथा आसान जीवन की व्यवस्था सुनिश्चित करे। अभी तक देश के वरिष्ठ नागरिकों ने अनुभव किया है कि केन्द्र एवं राज्य सरकारें उनके प्रति संवेदनशील नहीं है। सरकारों की उदासीनता के कारण ही वरिष्ठ नागरिकों ने संगठित होकर स्वयं हित की योजनायें बनाने तथा उनके समयबद्ध कार्यान्वयन हेतु सरकारों को बाध्य करने का संकल्प लिया एवं देश भर में विभिन्न स्थानों पर वरिष्ठ नागरिक समितियों के गठन हुए। इसी दृष्टिकोण से **भारतीय वरिष्ठ नागरिक समिति (भावना)** की स्थापना भी वर्ष 2000 में की गयी।

**भावना** का मुख्य उद्येश्य वरिष्ठ नागरिकों के हितलाभों को सुनिश्चित कराना तथा उनमें स्वावलम्बन, सहयोग, सहिष्णुता एवं सेवा की भावना बलवती करना है ताकि उनमें सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह हो एवं वे प्रसन्न, स्वस्थ एवं सार्थक जीवन सुचारू रूप से जी सकें। **भावना** ने अपने उद्येश्यों में समाज के कमजोर वर्गों, यथा, निराश्रित महिलाओं, बेसहारा बच्चों, दिव्यांगजनों, निर्बल एवं असहायजनों के कल्याण सरीखे विषयों को भी सम्मिलित किया है और यही सर्वजन हितकारी कार्यक्रम **भावना** को वरिष्ठ नागरिकों की अन्य स्वैच्छिक संस्थाओं से भिन्न बनाते हैं। **भावना** समाज के निर्बल एवं असहाय वर्ग के कल्याण हेतु कार्यों को प्रधानता देती है जबकि अन्य वरिष्ठ नागरिक समितियां केवल वरिष्ठ नागरिकों के हित चिन्तन में ही लगी रहती हैं। **भावना** का प्रत्येक सदस्य स्वयं को समाज से जुड़ा महसूस करता है तथा यथासम्भव विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं में अधिकाधिक सहयोग प्रदान कर प्रसन्नता महसूस करता है। इन्हीं विशेषताओं के कारण **भावना**, उत्तर प्रदेश में ही नहीं अपितु पूरे भारत वर्ष में सक्रिय वरिष्ठ नागरिक समितियों में प्रमुख स्थान रखती है। अब तक **भावना** के सदस्यों की संख्या 1000 से अधिक चुकी है एवं इस संख्या में निरन्तर वृद्धि हो रही है। वरिष्ठ नागरिकों का हित–चिन्तन करने वाली 16 अन्य स्वैच्छिक संस्थायें **भावना** की संस्थागत सदस्य हैं। इस प्रकार सभी को मिलाकर सदस्यों की संख्या लाखों में हो जाती है। **भावना** का मुख्यालय लखनऊ में है। इसकी शाखायें ओबरा (कार्यक्षेत्र सम्पूर्ण सोनभद्र जनपद), उन्नाव (कार्यक्षेत्र सम्पूर्ण उन्नाव जनपद), नोएडा (कार्यक्षेत्र दिल्ली/नई दिल्ली सहित सम्पूर्ण राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र) तथा यमुना एक्सप्रेस–वे इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट अथॉरिटी टाउनशिप – येडा (कार्यक्षेत्र निर्माणाधीन **भावना ओल्ड एज होम** परिसर) में स्थापित एवं क्रियाशील हैं।

अपने उद्येश्यों की पूर्ति हेतु विभिन्न कार्यक्रमों को सुचारू रूप से क्रियान्वित करने हेतु **भावना** ने अधोवर्णित प्रकोष्ठों का गठन कर उनके दायित्वों का निर्धारण किया है। प्रत्येक प्रकोष्ठ अपने दायित्वों के अनुरूप योजनायें बनाकर

क्रमशः...2

उन्हें कार्यान्वित करता है। प्रत्येक प्रकोष्ठ में संयोजक सहित आवश्यकतानुसार ऐसे सदस्यों का भी मनोनयन किया गया है जिनको सम्बन्धित कार्य/विषय में रुचि है।

1. वाह्य सम्पर्क प्रकोष्ठ, 2. शिक्षा सहायता प्रकोष्ठ, 3. ग्राम्यांचल एवं निर्धन जन सेवा प्रकोष्ठ, 4. सहयोग एवं सेवा प्रकोष्ठ, 5. वैकल्पिक चिकित्सा प्रकोष्ठ, 6. प्रसादम् सेवा प्रकोष्ठ, 7. सांस्कृतिक कार्य प्रकोष्ठ, 8. महिला सशक्तिकरण प्रकोष्ठ, 9. पर्यावरण संरक्षण प्रकोष्ठ, 10. डे–सेन्टर प्रबन्धन प्रकोष्ठ, 11. संपादन प्रकोष्ठ, 12. संसाधन प्रबन्ध प्रकोष्ठ, तथा 13. अनौपचारिक शिक्षण प्रकोष्ठ।

मान्यवर, अब मैं गत महाधिवेशन के बाद से अब तक उपरोक्त विभिन्न प्रकोष्ठों के माध्यम से **भावना** द्वारा किए गये, किए जा रहे तथा भविष्य में किए जाने वाले नियोजित कार्यक्रमों/योजनाओं का संक्षिप्त विवरण आपके समक्ष क्रमवार प्रस्तुत कर रहा हूँ।

1. लोकतांत्रिक व्यवस्था में संख्या बल का विशेष महत्व होता है। इसलिए **भावना** ने अपनी सदस्य संख्या बढ़ाने के साथ–साथ वरिष्ठ नागरिकों एवं अन्य निर्धन व बेसहारा लोगों के लिए काम करने वाली कुछ स्वैच्छिक संस्थाओं को अपने साथ जोड़ने एवं कुछ अन्य स्वैच्छिक संस्थाओं से जुड़ने के कार्य को प्राथमिकता दी है। ऐसा करना इसलिए आवश्यक था ताकि केन्द्र एवं राज्य सरकारों से वरिष्ठ नागरिकों के अधिकार एवं सुविधायें प्राप्त करने हेतु मांगों में एकरूपता रहे। अपने इस उद्देश्य की पूर्ति हेतु **भावना** ने कई राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय संस्थाओं के साथ अंतरंग सम्बन्ध स्थापित किए हैं। जिनमें World U3A, U3A Asia Pacific Alliance, HelpAge International, HelpAge India, Help Your NGO, All India Senior Citizen Confederation (AISCCON), Indian Society of Universities of Third Age (ISU3A), Senior Citizen Confederations of Delhi, Uttarakhand, Chandigarh, Nepal and Daman तथा अन्तर्राष्ट्रीय सहयोग परिषद एवं वरिष्ठ नागरिक महासमिति, उत्तर प्रदेश प्रमुख हैं। **भावना** ने अबतक जिन 16 संस्थाओं को संस्थागत सदस्यों के रूप में अपने साथ जोड़ा है, उनके नाम तथा अन्य विवरण आपको पंजीकरण के समय उपलब्ध कराए गए समिति द्वारा प्रकाशित अद्यतन सदस्यता सूची में निहित हैं।

2. **भावना** ने हेल्पेज इण्डिया सहित अन्य वरिष्ठ नागरिक समितियों के साथ मिलकर सम्मिलित प्रयास करके उत्तर प्रदेश सरकार से **माता पिता एवं वरिष्ठ नागरिक भरण पोषण अधिनियम** को 28 अगस्त, 2012 को अंगीकृत कराया तथा तद्क्रम में हम 14 फरवरी, 2014 को **माता पिता एवं वरिष्ठ नागरिक भरण पोषण एवं कल्याण नियमावली 2014** की अधिसूचना निर्गत कराने में सफल हुए। इस नियमावली में निहित प्राविधानों को लागू कराने हेतु **भावना** निरंतर प्रयत्नशील हैं। कुछ प्राविधान लागू हो भी चुके हैं परंतु जमीनी हकीकत नियमावली के प्राविधानों से मीलों दूर है। वरिष्ठ नागरिकों से संबंधित जिला समिति एवं राज्य परिषद की स्थापना कागजी भले हों पर धरातल पर दृष्टिगोचर नहीं हैं।

3. हेल्पेज इण्डिया, वरिष्ठ नागरिक महासमिति उत्तर प्रदेश तथा **भावना** द्वारा अन्य समितियों के साथ मिलकर उत्तर प्रदेश शासन द्वारा **उत्तर प्रदेश राज्य वरिष्ठ नागरिक नीति** 21 मार्च, 2016 को निर्गत कराई गई। इसमें निहित प्राविधानों का अनुपालन कराने हेतु हम निरन्तर प्रयत्नशील हैं।

4. सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय सम्प्रति अल्पसंख्यक, अनुसूचित जाति एवं जनजाति, पिछड़ी जाति आदि के कार्यों के संबंध में अधिभारित होने के कारण वरिष्ठ नागरिकों के हितों के अनुरूप प्रभावी कार्यवाही के लिए संवेदनशील नहीं हैं। इसी परिप्रेक्ष्य में केन्द्र एवं राज्यों में पृथक वरिष्ठ नागरिक कल्याण मंत्रालय गठित कराने हेतु हम निरंतर प्रयासरत रहे हैं एवं रहेंगे।

5. **<u>शिक्षा सहायता योजनाः</u> भावना** द्वारा वर्ष 2007 से प्रारम्भ करके निर्धन किन्तु मेधावी छात्र/छात्राओं को आर्थिक सहायता पहुंचाने के उद्देश्य से प्रत्येक शिक्षा सत्र में कक्षा 8 तक के हर छात्र/छात्रा को 1200 रुपये, कक्षा 9 व 10 के हर छात्र/छात्रा को 1800 रुपये तथा कक्षा 11 व 12 के हर छात्र/छात्रा को 2000 रुपये की सहायता दी जाती है। शिक्षा सत्र 2019–20 में इस योजना के अन्तर्गत 27 विद्यालयों के 144 बच्चों को उपरोक्तानुसार आर्थिक सहायता दी गयी। इसके अतिरिक्त स्नातक स्तर के 4 छात्र/छात्राओं को भी 6000 रुपए प्रति छात्र/छात्रा की दर से सहायता दी गयी। इस योजना के अतर्गत वर्तमान शिक्षा सत्र में कुल 2,23,400 रुपये की सहायता दी गयी। श्री आयुष बाजपेई एवं कु. नेहा कश्यप को कक्षा 12 एवं कक्षा 10 में श्रेष्ठ परीक्षाफल के लिए क्रमशः 15,000 रुपए एवं 10,000 रुपए के **स्व. रमेश चन्द्र तिवारी स्मृति पुरस्कार** दिए गए। इसी प्रकार कु. अर्पिता पाण्डेय को उनके कक्षा 12 में श्रेष्ठ परीक्षाफल के लिए 21,000 रुपए के **स्व. डा. कृष्ण दत्त पाण्डेय स्मृति पुरस्कार** एवं श्री हर्षित वर्मा को उनके कक्षा 10 में श्रेष्ठ परीक्षाफल के लिए 11,000 रुपए के **स्व. श्रीमती गायत्री देवी पाण्डेय स्मृति**

क्रमशः....3

**पुरस्कार** से सम्मानित किया गया। सभी को प्रशस्ति पत्र भी दिये गये। इसके अतिरिक्त माननीय **बिग्रेडियर अशोक पाण्डेय जी** द्वारा बी.टेक. के छात्र श्री आयुष बाजपेई को प्रथम वर्ष के अध्ययन हेतु 32,000 रुपए तथा बी. एड. के छात्र श्री अमित सिंह को भी प्रथम वर्ष के अध्ययन हेतु 70,000 रुपए की आर्थिक सहायता प्रदान की गई।

**भावना** के **स्थापना दिवस समारोहों** में प्रति वर्ष उपरोक्तानुसार आर्थिक सहायता के अतिरिक्त सभी छात्रों/छात्राओं को सदस्यों द्वारा उपहार भी दिए जाते रहे हैं। इस वर्ष भी समिति के **महिला सशक्तिकरण प्रकोष्ठ** की सचिव **माननीया श्रीमती अर्चना गोयल** द्वारा कक्षा 12 तक के सभी छात्रों/छात्राओं को तौलिए भेंट किये गये एवं कक्षा 11 व 12 के बच्चों को एक एक फाउन्टेन पेन भी दिया। **श्रीमती मंजुला सक्सेना, श्री जितेन्द्र नाथ सरीन, श्री जगत बिहारी अग्रवाल, श्री प्रदीप कुमार गोयल तथा डॉ. नरेन्द्र देव** ने मिलकर कक्षा 11 व 12 के बच्चों को एक एक कैलकुलेटर भेंट में दिए तथा स्नातक कक्षाओं के प्रथम वर्ष की छात्राओं को एक एक डॉकूमेंट–फोल्डर दिया। **श्री ओम प्रकाश गुप्ता** द्वारा कक्षा 9 व 10 के बच्चों को एक एक वाटर बॉटल दी गई। सभी बच्चों को **डॉ. नरेन्द्र देव द्वारा रचित, भावना द्वारा प्रकाशित, "स्वस्थ रहने के सरल उपाय"** नामक लघु–पुस्तिका भी भेंट की गई। शुरू में **श्रीमती अर्चना गोयल** ने सभी बच्चों को नाश्ता कराया।

6. **अनौपचारिक शिक्षण योजना:** इस योजना के अन्तर्गत अत्यन्त गरीब/लावारिस बच्चों, जिन्हें हम Street Children कहकर सम्बोधित करते हैं, को साक्षर एवं संस्कारित करने का प्रयास किया जाता है। **भावना** ने इसी उद्देश्य से झुग्गी/झोपड़ियों की बस्तियों में **अनौपचारिक शिक्षण केन्द्रों** की श्रृंखला स्थापित करने एवं संचालित करने का निर्णय लिया है। इस अभियान के अन्तर्गत पहला शिक्षण केन्द्र मई 2015 से लखनऊ में बिजनौर मार्ग पर बिजली पासी चौराहे के समीप औरंगाबाद रेलवे क्रासिंग के पार स्थित मानसरोवर योजना के सेक्टर–पी में स्थापित एवं संचालित है जहाँ 50 बच्चे शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। इस कार्य हेतु दो महिला शिक्षक नियुक्त हैं। इस केन्द्र पर वेतन इत्यादि मिलाकर कुल लगभग एक लाख रुपये का वार्षिक व्यय आता है। इस केन्द्र में बच्चों को साक्षर बनाने के साथ–साथ उन्हें अच्छे संस्कार भी दिए जाते हैं तथा उन्हें उत्साहित करने के उद्देश्य से स्वतंत्रता दिवस एवं गणतंत्र दिवस के अवसरों पर विविध कार्यक्रमों के आयोजन भी किए जाते हैं। सदस्यों द्वारा बच्चों को पर्वों के अवसर पर उपहार भी भेंट किए जाते हैं। 14 अप्रैल, 2019 को इस शिक्षण केन्द्र के 46 पंजीकृत बच्चों को यूनिफार्म का निःशुल्क वितरण किया गया जिसके लिए धनराशि **भावना** के महासचिव(एडवोकेसी) **श्री सतपाल सिंह** की प्रेरणा से उनके मित्र श्री सुधाकर राव जी द्वारा उपलब्ध कराई गई। केन्द्र पर कार्यरत दोनों महिला शिक्षकों को एक एक साड़ी भी दी गई। 15 अगस्त 2019 को इस शिक्षण केन्द्र पर स्वतंत्रता दिवस व राखी पर्व भी सोल्लास मनाये गये तथा बच्चों को मिष्ठान्न एवं अन्य उपयोगी सामग्री वितरित की गई। 21 दिसम्बर, 2019 को **भावना** की दिवंगत विशिष्ट सदस्य **श्रीमती सरोजनी सिंह** की द्वितीय पुण्य तिथि के पूर्व दिवस पर उनकी सुपुत्री डा. सोनल सिंह द्वारा 50 बच्चों को व शिक्षिकाओं को संतुलित अल्पाहार के पैकेट व टॉवल नैपकीन वितरित किये गये। 26 जनवरी 2020 को प्रतिवर्ष की तरह, शिक्षण केन्द्र पर गणतंत्र दिवस मनाया गया जिसमें बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये गये। बच्चों को मिष्ठान्न व पुरस्कार भी वितरित किये गये। 01 फरवरी, 2020 को **भावना** के **निर्धन जन सेवा कार्यक्रम** के अन्तर्गत इस केन्द्र के 50 बच्चों को ऊनी स्वेटर एवं टोपी वितरित किये गये एवं दोनों महिला शिक्षकों को एक एक कार्डीगन भी दिया गया।

इस केन्द्र के संचालन में सबसे बड़ी बाधा, केन्द्र की अपनी भूमि का उपलब्ध न होना है, जिसके कारण केन्द्र का स्थान बार बार परिवर्तित करना पड़ता है। केन्द्र के सुगम संचालन के लिए स्थायी रूप से भूमि की व्यवस्था करने के लिये **भावना** प्रयासरत है। इस महाधिवेशन के माध्यम से मैं अपील करता हूँ कि यदि कोई सदस्य इस संबंध में राज्य सरकार, लखनऊ विकास प्राधिकरण या जिला प्रशासन से भूमि प्राप्त करने में सहायता कर सकता हो तो कृपया माननीय अध्यक्ष महोदय या मुझे सूचित करने की कृपा करे।

**भावना** की **एन.सी.आर. शाखा** द्वारा भी इस योजना में महत्वपूर्ण कार्य किया जा रहा है। इन्दिरापुरम् (गाजियाबाद) के पास कनावनी ग्राम में स्थित **महापंडित राहुल अनौपचारिक विद्यालय** में इन्फ्रास्ट्रक्चर बेहतर करने, हैण्डपम्प लगवाने, बच्चों को पुस्तकें आदि प्रदान करने में विगत दो वर्षों में 2.82 लाख रुपए से अधिक का योगदान शाखा के सदस्यों द्वारा किया जा चुका है।

7. **ग्राम्यांचल एवं निर्धन–जन सेवा योजना:** इस योजना के अन्तर्गत लखनऊ तथा आस पास के जनपदों में **ग्राम्यांचल एवं निर्धन–जन सेवा प्रकोष्ठ** के सदस्यों द्वारा स्थानीय गणमान्य व्यक्तियों की सहायता से निर्धन एवं गरीब लोगों को चिन्हित किया जाता है। इन चिन्हित व्यक्तियों के निवास के समीपस्थ ग्राम में पूर्व–घोषित तिथि व

क्रमशः....4

समय पर कार्यक्रम आयोजित करके स्थानीय गणमान्य व्यक्तियों यथा ग्राम प्रधान आदि की उपस्थिति में पूर्व–चिन्हित व्यक्तियों को एक एक नया ऊनी कम्बल प्रदान किया जाता है। वरिष्ठ नागरिकों, नेत्रहीन, विधवा एवं दिव्यांग व्यक्तियों को प्राथमिकता दी जाती है। कार्यक्रम में उपस्थित शेष गरीब एवं असहाय व्यक्तियों को नये–पुराने वस्त्र एवं अन्य उपयोगी वस्तुएं भी वितरित की जाती हैं। गत वर्षों की भांति इस वर्ष भी शीत ऋतु में निम्नानुसार कार्यक्रम आयोजित करके नये ऊनी कम्बलों एवं नये व पुराने वस्त्रों तथा उपयोगी वस्तुओं का वितरण किया गया–

- 13 व 14 अक्टूबर, 2019 को बिठूर में 100 कम्बलों एवं पर्याप्त संख्या में पुराने वस्त्रों का वितरण किया गया।
- 12 नवम्बर, 2019 को ग्राम करौली, तहसील हसनगंज, जिला उन्नाव में 100 कम्बलों का एवं कुछ पुराने किन्तु उपयोगी वस्त्रों का विवरण किया गया।
- 25 नवम्बर, 2019 को कबीर भारती आश्रम जैतिनपुर, कमलापुर, जिला सीतापुर में 100 कम्बलों का वितरण किया गया।
- 10 दिसमबर, 2019 को ग्राम सिंघामऊ, ब्लाक बी.के.टी., जिला लखनऊ में 100 कम्बलों का वितरण किया गया।
- 18 दिसम्बर, 2019 को ग्राम अर्थाना, रामकोट, जिला सीतापुर में 250 कम्बलों एवं पर्याप्त संख्या में पुराने वस्त्रों का वितरण किया गया।
- 28 दिसम्बर, 2019 को ग्राम खासेपुर(रामनगर), ब्लाक मुस्तफ़ाबाद, तहसील कैसरगंज, जिला बाराबंकी. में 140 कम्बलों एवं पर्याप्त संख्या में पुराने वस्त्रों का वितरण किया गया।
- 02 जनवरी, 2020 को के.जी. मेडिकल कालेज लखनऊ के परिसर में **भावना** की सदस्य संस्था **विजयश्री फ़ाउन्डेशन** द्वारा संचालित रैनबसेरों में 50 कम्बलों का वितरण किया गया।
- 03 जनवरी, 2020 को प्राइमरी विद्यालय सदेवान, ग्राम पंचायत सदेवान, सफदरगंज, जिला बाराबंकी में 100 कम्बलों का वितरण किया गया।
- 06 जनवरी, 2020 को योगिता मान्टेसरी स्कूल, भरतनगर, जिला लखनऊ में 50 कम्बलों का वितरण किया गया।
- 09 जनवरी, 2020 को ग्राम विश्रामपुर, ब्लाक बी.के.टी., जिला लखनऊ में 100 कम्बलों का वितरण किया गया।

इन कार्यक्रमों में उपस्थित हुए महिलाओं एवं पुरुषों को केन्द्र व राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही विविध जन हितकारी योजनाओं की जानकारी भी दी गयी ताकि जानकारी के अभाव में वे लाभ से वंचित न रह जायें। इन कार्यक्रमों में लोगों को भारत के संविधान के उन प्राविधानों की जानकारी भी दी गयी जो ग्रामवासियों से सीधे सम्बन्धित हैं। प्रत्येक कार्यक्रम में सरल हिन्दी में लिखी गयी **''जागो गणराज्य जागो''** नामक पुस्तक की कुछ प्रतियाँ भी वितरित की गयीं। उपस्थित जनसमूहों को स्वच्छता अभियान की जानकारी देने के साथ साथ बिना दवाओं के इस्तेमाल के कैसे स्वस्थ रह सकते हैं, के तौर तरीकों की भी जानकारी देकर जागरूक किया गया।

8. <u>विशाल निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजनः</u> प्रत्येक सत्र की तरह इस सत्र में भी **भावना** द्वारा **आस्था वृद्ध रोग चिकित्सालय** तथा **एस.सी. त्रिवेदी मेमोरियल ट्रस्ट चिकित्सालय** के साथ मिलकर सभी आयु के स्त्रियों, पुरुषों तथा बच्चों के लिए रविवार, 08 दिसम्बर, 2019 को, फैजुल्लागंज, सीतापुर रोड, लखनऊ में इस **शिविर** का आयोजन किया गया जिसका शुभारम्भ **न्यायमूर्ति अनिल कुमार, न्यायाधीश, इलाहाबाद उच्च न्यायालय, लखनऊ बेंच** द्वारा किया गया। तमाम स्वैच्छिक संस्थाओं के प्रमुख विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे। **90 वर्ष से अधिक आयु के अतिवरिष्ठ नागरिक, श्री नामवर सिंह** परम विशिष्ट अतिथि थे।

इस अवसर पर **भावना** की ओर से माननीय श्री नामवर सिंह का मुख्य अतिथि द्वारा माल्यार्पण करके, अंग–वस्त्र पहनाकर तथा सम्मान पत्र देकर सार्वजनिक अभिनन्दन किया गया। कार्यक्रम के संचालक श्री जगमोहन लाल जायसवाल ने उनके जीवन के प्रमुख पहलुओं पर प्रकाश डाला तथा उनकी उपलब्धियों के विषय में बताया।

इस शिविर में बच्चों तथा स्त्रियों के विशिष्ट रोगों एवं सामान्य लोगों को होने वाले अन्य रोगों का विशेषज्ञ डाक्टरों द्वारा विधिवत परीक्षण किया गया तथा आवश्यकतानुसार उनकी तत्काल चिकित्सा की गई अथवा परिस्थिति के अनुसार उन्हें चिकित्सा परामर्श दिया गया। शिविर में 824 मरीजों का पंजीकरण किया गया।

शिविर में सभी स्त्रियों एवं पुरुषों ने **फ़ायब्रोस्कैन, एचबीए1सी, हेपेटाइटिस बी, लिपिड प्रोफ़ाइल, मधुमेह, रक्तचाप, ईसीजी, बॉडी वेट, बीएमडी, बीएमआई, थायरॉयड, पीएफ़टी, एलएफ़टी, यूरिक एसिड, प्रोटीन यूरिया, केएफ़टी, एच पायलोरी, डायबेटिक रेटिनोपैथी तथा न्यूरोपैथी सहित लगभग 5,000 रुपए मूल्य के परीक्षण बिल्कुल मुफ्त कराए। आवश्यकतानुसार उन्हें**

क्रमशः....5

**5 दिन की दवा भी मुफ्त दी गई।**

**शिविर में रोटरी क्लब तथा प्रकाश नेत्र केन्द्र के संयुक्त सौजन्य से 140 नेत्र रोगियों का परीक्षण किया गया। मोतियाबिंद के 40 मरीजों के निःशुल्क आपरेशन के लिए उनका पंजीकरण भी किया गया।**

इस शिविर को सफल बनाने में आयोजकों को वृद्ध–रोग विशेषज्ञ डॉ. अभिषेक शुक्ला, स्त्री–रोग विशेषज्ञ डॉ. अमिता शुक्ला, उदर–रोग विशेषज्ञ डॉ. आर.पी. सिंह, दंत–रोग विशेषज्ञ डॉ. निमिषा एवं डॉ. सुधान्शु अग्रवाल, हृदय–रोग विशेषज्ञ डॉ. उज्ज्वल महेश्वरी, बाल–रोग विशेषज्ञ डॉ. स्वाती श्रीवास्तव, फ़िज़ियोथेरेपिस्ट डॉ. अमित कुमार सिंह, पंचकर्म विशेषज्ञ डॉ. निरंकार गुप्ता, आयुर्वेद एवं एकूपंक्चर विशेषज्ञ डॉ. पार्थ प्रॉतिम, एकूप्रेशर विशेषज्ञ डॉ. नरेन्द्र देव, होम्योपैथी विशेषज्ञ डॉ. जी.डी. दिवाकर सहित 40 से अधिक फ़र्मास्यूटिकल एवं डायग्नोस्टिक कम्पनियों का भरपूर सहयोग प्राप्त हुआ।

9. **<u>भावना समर्थित प्रसादम सेवा योजनाः</u> भावना** की सदस्य संस्था **विजयश्री फाउण्डेशन** द्वारा लखनऊ के किंग जार्ज मेडिकल कालेज चिकित्सालय, बलरामपुर चिकित्सालय तथा डॉ. राम मनोहर लोहिया चिकित्सालय के परिसर में चिकित्सालय में भर्ती गरीब मरीजों के तीमारदारों को दोपहर का भोजन निःशुल्क उपलब्ध कराने के उद्देश्य से **प्रसादम् सेवा** कार्य संचालित किया जा रहा है। इस योजना के अन्तर्गत गरीब मरीजों के पूर्व चिन्हित तीमारदारों को निःशुल्क सात्विक एवं ताजा भरपेट भोजन स्वच्छ वातावरण में भोजन कक्ष में आसनों पर बैठा कर कराया जाता है। इस सेवा के लिए तीनों स्थानों पर चिकित्सालय प्रशासन द्वारा स्थान उपलब्ध कराए गए हैं तथा बिजली पानी की सुविधा भी निःशुल्क उपलब्ध कराई गई है। विजयश्री फाउण्डेशन के सचिव श्री विशाल सिंह के निष्ठापूर्ण कार्य एवं सेवा को देखते हुए उनके अनुरोध पर **भावना** ने इस सेवा को अंगीकार करके यथासम्भव सहायता देने का संकल्प लिया है। वर्तमान में इस योजना के अन्तर्गत लगभग 750 लोग प्रतिदिन भोजन ग्रहण करते हैं। **भावना** द्वारा विजयश्री फाउण्डेशन को प्रसादम सेवा कार्यक्रम हेतु अब तक 8,00,000 रुपये से अधिक का सहयोग दिया जा चुका है, साथ ही 20,000 रुपये मूल्य का रेफ्रीजरेटर एवं 1,30,000 रुपये मूल्य का ई–रिक्शा भी उपलब्ध कराया गया है। **भावना** के अनेक सदस्यों द्वारा सीधे विजयश्री फाउण्डेशन को भी इस सेवा में सहयोग किया गया है। **इस पुनीत कार्य में सहयोग के लिए संस्था द्वारा एक गुल्लक योजना चालू की गई है जिसमें सेवादारों द्वारा प्रतिदिन एक थाली भोजन (लगभग 35.00 रूपये) का मूल्य गुल्लक में डाल दिया जाता है। भावना के सदस्यों द्वारा भी गुल्लक लिया गया है। एक अन्तराल के बाद गुल्लक में एकत्रित हुई धनराशि विजयश्री फाउण्डेशन को दे दी जाती है। भावना के** सदस्यों द्वारा अपने परिवार के सदस्यों के जन्मदिन, विवाह की सालगिरह या परिवार के दिवंगत सदस्यों की पुण्यतिथि पर भी सहयोग दिया जाता है।

किंग जार्ज मेडिकल कालेज परिसर में कुछ रैनबसेरे बने हैं जो चारों ओर से खुले हैं। **विजयश्री फ़ाउन्डेशन** द्वारा इनमें से तीन रैनबसेरों को अंगीकार करके उनमें सभी ओर से मजबूत पर्दे लगवाकर, जमीन पर दरी बिछवाकर उनमें पलंग, गद्दे तथा रजाइयाँ/कम्बल निःशुल्क उपलब्ध करवाए गए। इन रैनबसेरों में रुकने वालों को निःशुल्क चाय, नाश्ता तथा भोजन भी दिया जाता है। इस कार्य में भी **भावना** द्वारा विजयश्री फ़ाउन्डेशन को भरपूर सहयोग दिया जा रहा है।

10. **<u>उच्चकोटि का वृद्धाश्रम बनाने की योजनाः</u> भावना** के आवेदन पर राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में यमुना एक्सप्रेस–वे इण्डस्ट्रिल डेवलपमेंट अथॉरिटी (येडा) द्वारा इन्स्टीट्यूशनल प्लाट स्कीम 2016 के अन्तर्गत 3000 वर्गमीटर विकसित प्लाट एक उच्चकोटि का वृद्धाश्रम बनाने हेतु **भावना** की **एन.सी.आर. शाखा** को आवंटित किया गया था जिसकी कीमत लगभग 1.76 करोड़ रुपए थी। सम्बंधित आवासीय क्षेत्र विकसित होने के बाद येडा ने **भावना** के लिए जो **प्लॉट नं. ओ.ए.एच. 01, पॉकेट जे, सेक्टर 18** आरक्षित किया है उसका वास्तविक क्षेत्रफल 3250 वर्गमीटर है। तदनुसार अब इस प्लॉट का मूल्य भी बढ़ गया है। इस प्लॉट के तीन ओर सड़क है तथा सामने काफी बड़ा पार्क है। यमुना एक्सप्रेस–वे, ईस्टर्न पेरीफ़ेरल एक्सप्रेस–वे, प्रस्तावित पलवल–खुर्जा एक्सप्रेस–वे तथा प्रस्तावित जेवर अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा इस प्लॉट से काफी निकट हैं। डी.एन.डी. फ्लाई–वे 45 कि.मी. तथा मथुरा–वृंदावन मात्र 105 कि.मी. दूर है। येडा प्रशासन से यथावश्यक धनराशि जमा करके 01 जनवरी, 2020 को प्लॉट की लीज़ डीड हस्ताक्षरित हो चुकी है। इसका भौतिक कब्जा भी **भावना** को इस माह के अंत तक मिल जाएगा। उसके साथ ही वृद्धाश्रम का निर्माण कार्य प्रारम्भ हो जाएगा। इस वृद्धाश्रम प्रोजेक्ट का सम्पूर्ण विवरण तत्सम्बंधी ब्रोशर में उपलब्ध है। ब्रोशर रजिस्ट्रेशन काउन्टर पर उपलब्ध हैं।

11. **<u>भावना बहुउद्देशीय वरिष्ठ नागरिक डे–क्लबः</u>** वरिष्ठ नागरिकों को सामाजिक जानकारी एवं मनोरंजन

*क्रमशः....6*

उपलब्ध कराने हेतु **भावना** का यह क्लब सी–10 विज्ञानपुरी, महानगर एक्सटेंशन, लखनऊ में कमला सोशल वेलफेयर सोसायटी के सहयोग से स्थापित किया गया था। इस सेन्टर पर **भावना** के विभिन्न प्रकोष्ठों की बैठकें तो समय–समय पर अवश्य हुआ करती थी, किन्तु सामान्य गतिविधियां शून्य ही हैं। यही स्थिति तब भी थी जब यह क्लब प्रियदर्शिनी कॉलोनी में स्थापित था। समिति के सदस्यों में तथा आस पास के अन्य वरिष्ठ नागरिकों में भी इस प्रकार के क्लब में आने में रुचि नहीं प्रतीत होती है।

12. **भावना चैरिटेबल फिजियोथेरेपी क्लीनिकः** **भावना** का यह क्लीनिक भी सी–10 विज्ञानपुरी, महानगर एक्सटेंशन, लखनऊ में कमला सोशल वेलफेयर सोसायटी के सहयोग से स्थापित किया गया था। **भावना** के वॉलन्टियर सदस्य, **फ़िजियोथेरेपिस्ट डॉ. अमित सिंह** द्वारा यह क्लीनिक शून्य लाभ–हानि के आधार पर संचालित किया जा रहा था। इस क्लीनिक में सभी प्रकार के उपकरण यथा Shortwave Diathermy, Interferencial Therapy, Ultrasound Therapy, Muscle Stimulator, Combo Therapy, Traction Unit, Wax Bath, Quadriceps Chair, Shoulder Wheel आदि उपलब्ध थे। ये सभी उपकरण **भावना** को Helpage India के सौजन्य से निःशुल्क प्राप्त हैं। वर्तमान में उपलब्ध स्थान पर इस क्लीनिक में भी मरीजों की आमद कम होने के कारण इसे लखनऊ में ही अन्य स्थान पर स्थानांतरित करने पर विचार किया जा रहा है।

13. **महिला सशक्तिकरण के कार्यः** महिलाओं में स्वावलम्बन एवं सहयोग की सोच बलवती कराने तथा निर्धन एवं निरक्षर महिलाओं एवं बालिकाओं को व्यक्तिगत स्वच्छता एवं स्वास्थ्य के प्रति जागरूक कराने के लिए **भावना** की महिला सदस्यों द्वारा संचालित **महिला सशक्तिकरण प्रकोष्ठ** अत्यन्त सक्रिय है। यह प्रकोष्ठ वृद्धाश्रमों एवं बालिकाओं के स्कूलों में निर्धन एवं जरूरतमंद बालिकाओं एवं महिलाओं को नवरात्रि, मकरसंक्रान्ति, स्वतंत्रता दिवस, गणतंत्र दिवस तथा अन्य त्योहारों पर खान–पान एवं उनके उपयोग की अन्य वस्तुओं का वितरण कर उन्हें सहयोग प्रदान करता है। **भावना** के स्थापना दिवस के अवसर पर समिति से आर्थिक सहायता प्राप्त करने वाले बच्चों को इस प्रकोष्ठ द्वारा उनके उपयोग की अनेक वस्तुएं उपहार में दी जाया करती हैं। **भावना** के होली मिलन उत्सव, नववर्ष उत्सव एवं तीजोत्सव के आयोजनों को सफल बनाने में इस प्रकोष्ठ का योगदान अत्यन्त महत्वपूर्ण एवं सराहनीय हुआ करता है।

14. **सहयोग एवं सेवा कार्यक्रमः** **भावना** ने लखनऊ नगर में अपने सदस्यों एवं अन्य बुजुर्गों की देखभाल एवं उनसे निरन्तर सम्पर्क बनाये रखने के उद्देश्य से **सहयोग एवं सेवा प्रकोष्ठ** का गठन किया हुआ है। प्रकोष्ठ के सदस्यों को 10 अलग अलग इलाकों का दायित्व सौंपा गया है। इस प्रकोष्ठ द्वारा आपात् स्थिति में यथासम्भव सहयोग करने, एकाकी जीवन जी रहे वरिष्ठ नागरिकों को सहयोग प्रदान करने, समिति के दिवंगत पुरुष सदस्यों की विधवाओं से सम्पर्क कर उनकी देखभाल करने, सदस्यों हेतु भ्रमण, पिकनिक एवं गोष्ठियों की व्यवस्था करने, सदस्यों के जन्मदिन एवं विवाह की वर्षगांठ पर शुभकामना संदेश प्रेषित करने तथा वैवाहिक जीवन के 50 वर्ष पूर्ण होने पर उनका सार्वजनिक अभिनन्दन करने के कार्य किए जाते हैं।

15. **पर्यावरण संरक्षण कार्यक्रमः** दिनों दिन बढ़ते वायु प्रदूषण, ध्वनि प्रदूषण तथा जल प्रदूषण के प्रतिकूल प्रभाव को देखते हुए एवं विशेषकर वृद्ध जनों के स्वास्थ्य पर इसके कुप्रभाव को दृष्टिगत रखते हुए **भावना** ने जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से **पर्यावरण संरक्षण प्रकोष्ठ** का गठन किया है। इस प्रकोष्ठ का मुख्य कार्य गोष्ठियों तथा वृक्षारोपण इत्यादि के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण के प्रति लोगों को जागरूक करना एवं प्रदूषण की रोकथाम हेतु उचित लाभकारी उपायों के बारे में सुझाव देना है। विश्व पर्यावरण दिवस 05 जून, 2019 को लखनऊ में आदिल नगर स्थित समर्पण वृद्धाश्रम में वृक्षारोपण कार्यक्रम **वृक्ष कल्याणम्** के सहयोग से सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। प्रकोष्ठ द्वारा कपड़ों के थैलों का इस्तेमाल करने, प्लास्टिक का बहिष्कार, जल संसाधन का दुरुपयोग रोकने इत्यादि पर बल दिया जाता है। 04 जुलाई, 2019 से 31 अगस्त, 2019 तक 16 स्कूलों तथा अन्य स्थानों में 421 फलदार पौधों का रोपण वृक्ष कल्याणम् के सहयोग से किया गया एवं एक गोष्ठी में प्रकोष्ठ के सचिव श्री पाल प्रवीण एवं सदस्य श्री इन्द्र कुमार भारद्वाज ने अपने उद्बोधन में **भावना** के पर्यावरण संरक्षण सम्बंधी कार्यक्रमों की जानकारी दी। 15 अगस्त, 2019 को रोटरी क्लब, निराला नगर, के तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में प्रकोष्ठ के सचिव तथा अन्य सदस्यों ने भाग लिया एवं वृक्षारोपण किया। इसके अतिरिक्त कई जगहों पर यज्ञ–हवन एवं गोष्ठियों के माध्यम से पर्यावरण को बचाने एवं प्रदूषण को मिटाने हेतु प्रार्थना–सभायें की गईं।

16. **वैकल्पिक चिकित्सा कार्यक्रमः** **भावना** की मान्यता है कि जब तक अपरिहार्य न हो तब तक लोगों को आधुनिक चिकित्सा पद्धति से इलाज कराने से बचना चाहिए क्योंकि इस पद्धति से इलाज में दवा के दुष्प्रभाव बहुत हैं।

क्रमशः....7

समिति का **वैकल्पिक चिकित्सा प्रकोष्ठ** इसी मान्यता पर कार्य करता है। प्रकोष्ठ के सचिव डॉ. नरेन्द्र देव, अन्य सदस्यों एवं अनुभवी लोगों के साथ मिलकर समय–समय पर गोष्ठियाँ, कार्यशालायें तथा प्रशिक्षण शिविर आयोजित कर लोगों को बिना औषधि के स्वस्थ रहने के उपाय बताते हैं। उनके द्वारा एक्यूप्रेशर चिकित्सा के सम्बन्ध में भी जानकारी दी जाती है तथा प्रशिक्षण भी दिया जाता है। इस वर्ष उनके द्वारा लखनऊ में 5 भिन्न भिन्न स्थानों पर बिना दवा के कैसे स्वस्थ रहें एवं एक्यूप्रेशर चिकित्सा पद्धति पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण दिये गये जिनमें 89 प्रतिभागियों नें भाग लिया। उनके द्वारा लखनऊ तथा वाराणसी में निम्नलिखित विवरण के अनुसार जागरूकता कार्यक्रम भी आयोजित किये गये:–

| क्रमांक | स्थान | प्रतिभागी | दिनांक |
|---|---|---|---|
| 1. | ट्रिनिटी एकेडमी, रिंग रोड, लखनऊ | 211 | 13.05.2019 |
| 2. | आर.बी.पी.इन्टर कालेज, लखनऊ | 272 | 04.07.2019 |
| 3. | द मिलेनियम, बक्शी–का–तालाब, लखनऊ | 317 | 12.07.2019 |
| 4. | द मिलेनियम, सफेदाबाद, लखनऊ | 225 | 23.07.2019 |
| 5. | ब्राइट लैण्ड इन्टर कालेज, सीतापुर रोड, लखनऊ | 32 | 02.08.2019 |
| 6. | बी.एन. कालेज ऑफ इन्जीनियरिंग एण्ड टेक्नोलोजी, लखनऊ | 108 | 10.08.2019 |
| 7. | जी.सी.आर.जी. कॉलेज ऑफ फारमेसी, लखनऊ | 107 | 17.08.2019 |
| 8. | ए.एल.एस.एकेडमी, वृन्दावन योजना, लखनऊ | 74 | 02.09.2019 |
| 9. | सरस्वती शिशु मंदिर, सरस्वतीपुरम, लखनऊ | 60 | 07.09.2019 |
| 10. | काल्विन पब्लिक स्कूल, वृन्दावन योजना, लखनऊ | 112 | 13.09.201 |
| 11. | आवास, गायत्री शक्ति पीठ के निकट, वाराणसी | 15 | 10.11.2019 |
| 12. | आवास, दुर्गाँवा शक्ति पीठ, लखनऊ | 55 | 17.11.2019 |
| 13. | न्यू एरा एकेडमी इन्टर कालेज, खरगापुर, लखनऊ | 211 | 27.11.2019 |
| 14. | पैरामेडिकल साइन्स कालेज, के.जी.एम.यू., लखनऊ | 359 | 02.12.2019 |

इसके साथ ही 25 अगस्त, 2019 को **भावना** के **स्थापना दिवस** के अवसर पर विभिन्न विद्यालयों के जो प्रधानाचार्य/आचार्य उपस्थित थे उन्हें स्वास्थ्य के प्रति जानकारी और **"कैसे शराब, गुटखा, मसाला की आदत छोड़ी जाये"** विषय से सम्बन्धित फोल्डर दिए गये थे। **भावना** के विभिन्न **ग्राम्यांचल एवं निर्धन–जन सेवा शिविरों** में उपस्थित हुए लोगों को स्वच्छता एवं जीवन शैली को सुधारने और औषधियों के बिना बीमारियों से बचने के उपायों के प्रति जागरूक किया गया।

17. **सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजनः** **भावना** के सदस्यों एवं उनके परिजनों के सामूहिक मेल मिलाप तथा मनोरंजन के उद्देश्य से नव–वर्ष मिलन एवं होली मिलन के रूप में सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किये जाते हैं। इन कार्यक्रमों की संरचना एवं प्रस्तुति **सांस्कृतिक कार्य प्रकोष्ठ** तथा **महिला सशक्तिकरण प्रकोष्ठ** द्वारा मिलकर की जाती है। इन कार्यक्रमों में सदस्यों एवं उनके परिवारीजनों द्वारा बड़ी संख्या में भाग लिया जाता है। 27 मार्च, 2019 को **भावना परिवार** का **होली मिलन समारोह** गोयल फार्म हाउस, कुर्सी रोड, लखनऊ में आयोजित हुआ था। यह फार्म हाउस **भावना** को माननीय सम्प्रेक्षक श्री मनोज कुमार गोयल तथा सचिव श्रीमती अर्चना गोयल के सौजन्य से निःशुल्क उपलब्ध हुआ। सांस्कृतिक कार्य प्रकोष्ठ एवं महिला सशक्तिकरण प्रकोष्ठ के सदस्यों एवं अन्य सदस्यों ने नृत्य, गीत, गजल, नाटिका, होली गीत आदि रोचक ढंग से प्रस्तुत किये। **भावना परिवार** का **नव–वर्ष अभिनन्दन** का रंगारंग कार्यक्रम भी गोयल फार्म हाउस में ही रविवार, 05 जनवरी, 2020 को आयोजित किया गया।

18. **नया प्रस्तावित कार्यक्रमः व्यक्तिगत सहायता योजनाः** आगामी सत्र से यह कार्यक्रम **भावना** के ऐसे सदस्यों के लिए प्रारम्भ किया जाएगा जिन्हें अपने घर से बाहर निकल कर जाने में दिक्कत होती है और इस प्रकार के कामों के लिए उन्हें किसी न किसी कम उम्र के व्यक्ति की सहायता लेनी पड़ती है। ऐसे सदस्य यदि समिति को इस योजना की मद में कम से कम तीस हजार रुपए प्रति वर्ष अथवा चार लाख रुपए एक मुश्त एक बार दान करेंगे तो समिति द्वारा उन्हें यथावांछित व्यक्तिगत सहायता प्रदान की जाएगी। समिति द्वारा इस सेवा के लिए सुयोग्य लड़के/लड़कियों का सेवा–दल तैयार किया जाएगा तथा उन्हें उचित मानदेय दिया जाएगा।

19. **भावना के प्रकाशनः** प्रकाशन सम्बन्धी कार्य **भावना** के **सम्पादन प्रकोष्ठ** द्वारा सम्पन्न किये जाते हैं। समिति

*क्रमशः....8*

के त्रैमासिक मुखपत्र **भावना–संदेश** का सम्पादन एवं प्रकाशन गत 19 वर्षों से नियमित रूप से किया जा रहा है तथा इसके माध्यम से समिति की गतिविधियों की जानकारी तथा शासन द्वारा समय–समय पर निर्गत शासनादेशों एवं योजनाओं की जानकारी सदस्यों को उपलब्ध कराई जाती है। पत्रिका में सम–सामयिक, साहित्यिक एवं आध्यात्मिक रचनाओं का प्रकाशन भी होता है। **भावना** अपने सदस्यों द्वारा रचित कई पुस्तकों/पुस्तिकाओं का प्रकाशन भी कर चुकी है। इनमें भावना–संदेश के पूर्व सम्पादक स्वर्गीय धर्मवीर सिंह की तीन पुस्तकें, वर्तमान सदस्य श्री उदय भान पाण्डेय की एक पुस्तक तथा डॉ. नरेन्द्र देव की एक पुस्तिका उल्लेखनीय हैं।

20. **संसाधन प्रबन्धः** यद्यपि सामान्यतः अपने अपने कार्यक्रमों के लिए संसाधनों का प्रबन्ध सम्बन्धित प्रकोष्ठ ही करते हैं तथापि **भावना** के विशेष बड़े कार्यक्रमों हेतु संसाधनों को जुटाने के उद्देश्य से **संसाधन प्रबंध प्रकोष्ठ** भी गठित है।

21. **एडवोकेसीः** **भावना** द्वारा वरिष्ठ नागरिकों के लिए काम करने वाली कुछ राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय संस्थाओं से जुड़ने के कार्य को प्राथमिकता दी गई है ताकि अन्तर्राष्ट्रीय स्तर, राष्ट्रीय स्तर एवं राज्यों के स्तर पर वरिष्ठ नागरिकों के अधिकार एवं सुविधायें प्राप्त करने हेतु मांगों में एक रूपता हो। अपने इस उद्देश्य की पूर्ति हेतु **भावना** तमाम संस्थाओं से जुड़ी है तथा **भावना** ने तमाम संस्थाओं को अपने साथ जोड़ा है। तत्सम्बंधी विवरण ऊपर पृष्ठ 2 के प्रस्तर 1 पर अंकित है। अपने उद्देश्यों एवं कार्यक्रमों के समुचित प्रचार प्रसार हेतु **भावना** ने अपनी वेबसाईट नए सवंर्धित कलेवर में री–लांच की है। यह वेबसाइट लगभग रोजाना ही अपडेट की जाया करती है। ये सभी कार्य **महासचिव(एडवोकेसी)** के नेतृत्व में **भावना** के **वाह्य सम्पर्क प्रकोष्ठ** द्वारा निष्पादित किए जाते हैं।

22. **विभिन्न अस्पतालों/चिकित्सकों के साथ दीर्घकालीन अनुबन्धः** अपने सदस्यों को सभी प्रकार की चिकित्सा सुविधायें नगण्य दरों पर उपलब्ध कराने हेतु **भावना** द्वारा लखनऊ में **आस्था वृद्ध रोग चिकित्सालय, अवध मल्टीस्पेशियेलिटी हॉस्पिटल, सुधा डेन्टल क्लीनिक** तथा **स्वास्थ्य एवं जड़ी बूटी विकास संस्थान** के साथ दीर्घकालीन अनुबन्ध किये गये हैं। **भावना** के लखनऊ निवासी अधिकतर सदस्य इन सुविधाओं का लाभ भी उठा रहे हैं।

23. **अति वरिष्ठ सदस्यों का सार्वजनिक अभिनन्दनः** **भावना** के प्रत्येक वार्षिक महाधिवेशन के अवसर पर उस समय तक 80 वर्ष तथा अधिक आयु प्राप्त कर चुके सदस्यों को विशेष रूप से आमंत्रित करके उनका सार्वजनिक अभिनन्दन किया जाता है तथा उनके स्वस्थ रहते हुए दीर्घायु की कामना की जाती है। आज इस महाधिवेशन में भी ऐसे सदस्यों को आमंत्रित किया गया है। उनमें से उपस्थित सदस्यों का अभिनन्दन करते हुए हमें अपार हर्ष का अनुभव हो रहा है।

24. **भावना के संवैधानिक दायित्वः** नियमावली के अनुसार प्रतिवर्ष **भावना** की प्रबन्धकारिणी की चार बैठकें होनी चाहिए। तद्नुसार विगत महाधिवेशन के बाद से अबतक प्रबन्धकारिणी की चार बैठकें आयोजित हुई हैं। **भावना** की वार्षिक आम सभा की बैठक (वार्षिक महाधिवेशन) भी हर वर्ष निर्धारित समय पर आयोजित होती चली आ रही है।

- **भावना** के आय–व्यय का वार्षिक लेखा (Balance Sheet) नियमानुसार समय से सम्प्रेक्षक एवं चार्टर्ड एकाउन्टेंट से प्रमाणित कराया जाता है तथा आयकर रिटर्न भी हर वर्ष समय से जमा किया जाता है।
- **भावना** के प्रत्येक लेखा वर्ष हेतु प्रस्तावित आय–व्यय का बजट वार्षिक आम सभा में प्रस्तुत करके अनुमोदित कराया जाता है।
- **भावना** के प्रत्येक लेखा वर्ष हेतु प्रस्तावित कार्य योजना वार्षिक आम सभा में प्रस्तुत करके अनुमोदित कराई जाती है। गत वार्षिक आम सभा द्वारा अनुमोदित वर्तमान लेखा वर्ष की कार्य योजना की प्रगति के सम्बन्ध में अवगत कराना है कि जिन योजनाओं/कार्यक्रमों को जारी रखने का संकल्प लिया गया था उन पर प्रभावी कार्यवाही करके जारी रखा गया है और आगे भी जारी रखा जायेगा। संसाधनों की कमी के कारण कुछ कार्य सम्पन्न नहीं हो पाये हैं। उन्हें आगामी वर्ष में पूर्ण करने का प्रयास किया जायेगा।

25. वरिष्ठ नागरिकों से संबंधित सामान्य रोगों में एक **"जोड़ों का दर्द"** है। 28 अप्रैल, 2019 को **"द इंस्टीट्यूशन ऑफ़ इंजीनियर्स इंडिया**, उ.प्र. स्टेट सेन्टर के प्रेक्षागृह में उनके संयुक्त तत्वावधान में **"जोड़ों के दर्द का प्रबंधन"** विषयक एक कार्यशाला आयोजित की गई। इस कार्यक्रम में 200 से अधिक उपस्थित लोगों को वरिष्ठ अस्थिरोग विशेषज्ञ डॉ. सौरभ शुक्ला द्वारा **"ऑस्टियो आर्थराइटिस"** के बारे में मल्टी मीडिया प्रेजेन्टेशन के माध्यम से प्रभावी एवं उपयोगी जानकारी दी गई। इस अवसर पर डॉ. गौरव, फिजियोथेरेपिस्ट, द्वारा इस रोग के समाधान हेतु सहायक के माध्यम से कई व्यायामों का सजीव प्रदर्शन भी किया गया।

क्रमशः....9

26. **भावना के सदस्यों द्वारा किए गए भ्रमणः**

26.1 **भावना** के 35 सदस्यों के समूह ने 13 व 14 अक्टूबर, 2019 को कानपुर जनपद के आध्यात्मिक महत्व वाले स्थल **बिठूर** का दो दिवसीय भ्रमण किया। इस धार्मिक महत्व के नगर में सदस्यों द्वारा वाल्मीकि आश्रम, जानकी कुंड, सिद्धिधामः सुधांशु आश्रम, इस्कॉन मंदिर आदि के दर्शन/भ्रमण के साथ गंगा स्नान का पुण्य–भागी होते हुए कार्यक्रम सफलतापूर्वक सम्पन्न किया।

26.2 **भावना** के 45 सदस्यों के समूह द्वारा 15 जनवरी, 2020 से 23 जनवरी, 2020 तक गुजरात का भ्रमण किया गया। सभी ने निम्नलिखित जगहों का सफलता पूर्वक भ्रमण कियाः–

1. साबरमती आश्रम, अहमदाबाद; 2. अक्षरधाम मंदिर, अहमदाबाद; 3. स्टैच्यू ऑफ यूनिटी (पूज्यनीय सरदार पटेल जी की 182 मीटर ऊँची प्रतिमा); 4. सोमनाथ मंदिर (प्रथम ज्योतिर्लिंग); 5. द्वारकाधीश मंदिर; 6. भेंट द्वारकाधीश मंदिर; 7. नागेश्वर नाथ ज्योतिर्लिंग तथा 8. कच्छ का रण।

मान्यवर, विगत दिनों **भावना** ने अपने विशिष्ट सदस्य डॉ. शिव सागर सिंह, विशिष्ट सदस्य श्री राज कुमार मिश्रा एवं आजीवन सदस्य श्री सरजू प्रसाद अस्थाना को खो दिया है। वे काल के ग्रास बन गए हैं। **भावना** के लिए यह अपूरणीय क्षति है। इसे नियति का चक्र मानकर हम दिवंगत आत्माओं की सद्गति के लिए ईश्वर से प्रार्थना करते हैं।

अभी कुछ देर बाद ही समिति की साधारण सभा की बैठक का आंतरिक सत्र प्रारम्भ होगा। उस सत्र में महासचिव(प्रशासन), महासचिव(कार्यान्वयन) तथा महासचिव(एडवोकेसी) समिति के भावी कार्यक्रमों के विषय में आपसे अवश्य ही चर्चा करेंगे। मैं अपनी ओर से मात्र इतना ही और कहना चाहता हूँ कि आपके हित के तथा आपके माध्यम से समाज के कमजोर वर्ग के हित के तमाम कार्य करने के लिए प्रबन्धकारिणी को आपका सर्वांगीण सक्रिय सहयोग मिलना परम आवश्यक है। तभी हम अपने लक्ष्यों को प्राप्त कर सकेंगे, तभी हम पुनः नये लक्ष्य निर्धारित कर सकेंगे, तभी हम यह सिलसिला लगातार जारी रख सकेंगे, तभी हम समिति को तथा समिति के सदस्यों को उत्तरोत्तर प्रगति–पथ पर ले जा सकेंगे, तभी हम समिति की पहचान राष्ट्रीय तथा अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर बनाए रखने में सफल होंगे। प्रबन्धकारिणी को आपका आशीर्वाद, आपकी शुभकामनायें, आपका सहयोग एवं समिति के दृष्टिकोंण तथा उद्देश्यों के प्रति आपका समर्पण, सभी कुछ चाहिए।

वर्तमान सत्र में जो सहयोग माननीय अध्यक्ष महोदय, माननीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष महोदय एवं माननीय उपाध्यक्ष महोदयों से मुझे तथा महासचिव(प्रशासन), महासचिव(कार्यान्वयन) एवं महासचिव(एडवोकेसी) को प्राप्त हुआ है उसके लिए मुझ सहित तीनों महासचिव उनके अत्यन्त आभारी हैं। समय–समय पर उनके द्वारा दिए गए दिशा निर्देशों एवं परामर्शों से ही हम लोग अपने दायित्वों का निर्वहन कर सके। हम लोग चारों उपमहासचिवों, कोषाध्यक्ष जी, सह–कोषाध्यक्ष जी, सम्प्रेक्षक जी तथा प्रबन्धकारिणी के सभी अन्य सदस्यों के भी हृदय से आभारी हैं। उनके सहयोग से ही हम अपने कर्त्तव्यों का पालन कर सके। मैं अपनी ओर से तथा तीनों महासचिवों की ओर से समिति के सभी सदस्यों के प्रति भी आभार व्यक्त करता हूँ जिनकी प्रेरणा ने ही हम लोगों को अपने अपने कार्यों को निस्तारित करने का हौसला प्रदान किया है। मान्यवर, समिति की उपलब्धियाँ आप सबके सहयोग तथा माननीय अध्यक्ष महोदय, माननीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष महोदय एवं माननीय उपाध्यक्ष महोदयों के कुशल निर्देशन में समिति के पदाधिकारियों के सम्मिलित प्रयासों से ही संभव हो सकी हैं। योजनाओं में यथावांछित प्रगति न प्राप्त होने के लिए हम व्यक्तिगत रूप से स्वयं को ही दोषी मानते हुए सदन से क्षमा प्रार्थी हैं। किन्तु हम निराश नहीं हैं, अतः निम्नलिखित पंक्तियों के साथ मैं अपनी बात समाप्त करना चाहूँगाः

**लहरों को साहिल की दरकार नहीं होती, हौसले बुलंद हों तो कोई दीवार नहीं होती।**
**जलते हुए चिराग ने आंधियों से ये कहा, उजाला देने वालों की कभी हार नहीं होती।।**

ऋतुराज वसंत का वर्तमान समय आप में नव–उमंग भर दे, आगामी 10 मार्च को होली का पर्व एवं एक माह पश्चात 25 मार्च से प्रारम्भ हो रहा सम्वत 2077 आप सभी को, परिजनों, बन्धु–बान्धवों तथा इष्ट मित्रों सहित सब प्रकार से कल्याणकारी हों, इस मंगल कामना के साथ, एक बार पुनः आपके आगमन हेतु आपको बहुत–बहुत धन्यवाद।

**जय भावना, जय भारत।**

जे॰बी॰अग्रवाल

(जगत बिहारी अग्रवाल)
प्रमुख महासचिव